इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 20 सितम्बर 2024
मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याएं गरीबी, अशिक्षा, बीमारी, कुशल उत्पादन एवं वितरण सिर्फ समाजवादी तरीके से ही की जा सकती है।
-सुभाष चन्द्र बोस
वर्ष 17 अंक 20 मूल्य 4-00 रूपया पृष्ठ- 12
तापमान - अधिकतम 33.7°C (+0.2) न्यूनतम 24.5°C(+0.1) सेंसेक्स 83,184.80 (+236.57) निफ्टी 25,415.80 (+038.25) सोना 74,600 चांदी 91,000 मुद्रा - डालर 83.62 दिरहम 22.76 रियाल 22.29



# एरा यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों में जुड़ी एक और उपलब्धि

**लखनऊ (सं)।** एरा यूनिवर्सिटी के तीन संकाय सदस्यों ने एक बार फिर नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) के एसोसिएट फेलो/सदस्य-2024 (एमएएमएस) के रूप में चुने जाने पर विश्वविद्यालयों को ख्याति दिलाई। अकादमी का यह पुरस्कार एक सम्मान है जो अकादमिक उत्कृष्टता और पेशेवर उपलब्धियों की स्वीकृति है। फेलो/सदस्य सूची में एरा के लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के प्रमुख डॉ. मोहम्मद मुस्तहसिन एरा यूनिवर्सिटी, के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. तबरेज जाफर, एरा यूनिवर्सिटी, के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. इसरार अहमद शामिल हैं। एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) अब्बास अली महदी ने सभी

डॉ. मोहम्मद मुस्तहसिन

डॉ. तबरेज़ जाफर

डॉ. इसरार अहमद

को बधाई दी।

डॉ. मोहम्मद मुस्तहसिन को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज का एसोसिएट फेलो चुना गया वह कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषक हैं और 30 से अधिक समकक्ष समीक्षा वाले लेख और पुस्तक अध्याय प्रकाशित कर चुके हैं। वह क्रिटिकल केयर पुस्तक के अनुभाग संपादक भी हैं। उन्हें 24 दिसम्बर 2023 को इंडिया न्यूज द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश हेल्थ कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्ट योगदान के लिए उपमुख्यमंत्री से पुरस्कार भी मिला था। दो अक्टूबर 2022 को डेली इनसाइडर द्वारा आयोजित अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री द्वारा चिराग-ए-अवध अचीवर अवार्ड और 2014 में ओमान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला। वह वर्ल्ड जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, हेमेटोलॉजी, बीएमजे पल्मोनरी मेडिसिन, जर्नल ऑफ सर्जरी आदि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और सहकर्मी समीक्षक हैं। डॉ. मुस्तहसिन वर्तमान में सोसाइटी ऑफ एक्यूट केयर ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. तबरेज जाफर विभागाध्यक्ष जैव प्रौद्योगिकी विभाग को आणविक आनुवंशिकी, आणविक शरीर क्रिया विज्ञान, कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोबायोलॉजी के उभरते क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के सदस्य के रूप में चुना गया है। उन्होंने राष्ट्रीय और आंतरिक ख्याति के कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनके अध्ययन की संभावना नए अणुओं की पहचान करना है जो रोगों के नए उपचारों की खोज में दवा डिजाइन के लिए लक्ष्य के रूप में काम कर सकते हैं। उन्होंने सीसा विषाक्तता के दुष्प्रभावों के बारे में आम जनता में जागरुकता पैदा करने के लिए देश और विदेश में कई सम्मेलनों, जागरुकता कार्यक्रमों और चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया है। इंडियन सोसाइटी फॉर लीड अवेयरनेस एंड रिसर्च ने वर्ष 2023 में उन्हें प्रशंसा पुरस्कार देकर उनके कार्य को मान्यता दी। डॉ. इसरार अहमद सहायक प्रोफेसर जैव प्रौद्योगिकी विभाग एरा विश्वविद्यालय को आणविक जीव विज्ञान के क्षेत्र में उनके शोध योगदान के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के सदस्य के रूप में चुना गया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 200 से अधिक उद्धरणों के साथ कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और कई राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपना कार्य प्रस्तुत किया है। वर्तमान में वह रोगों में शामिल आनुवंशिक बहुरुपताओं की क्रिया के आणविक तंत्र को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और प्रारंभिक रोग पहचान के लिए आणविक निदान-आधारित मार्करों के डिजाइन और विकास से संबंधित हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर में आयोजित होने वाले अकादमी के दीक्षांत समारोह में औपचारिक प्रवेश और पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।